RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

10th SST ECONOMICS

मुद्रा और साख



CHAPTER 03 | Part -05

LIVE | 07 SEP | 6PM



अभ्यास प्रश्न

1 जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएँ खड़ी कर सकता है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- उच्च जोखिम वाली परिस्थितियों में, जैसे फसल खराब होने या चिकित्सा संबंधी आपातस्थिति में, उधारकर्ता समय पर ऋण चुकाने में सक्षम नहीं हो सकता है।
- इससे ऋण-जाल की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें उधारकर्ता को पुराने ऋण को चुकाने के लिए नया ऋण लेना पड़ता है।

2 मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या को किस तरह सुलझाती है? अपनी ओर से उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर :

- मुद्रा विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती है, जिससे आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- उदाहरण के लिए, एक जूता निर्माता जूते बेचकर मुद्रा प्राप्त कर सकता है और फिर उस मुद्रा से गेहूँ खरीद सकता है। उसे ऐसे गेहूँ उत्पादक को खोजने की आवश्यकता नहीं है जो जूते भी खरीदना चाहता हो।

अभ्यास प्रश्न

3 अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंद लोगों के बीच बैंक किस तरह मध्यस्थता करते हैं?

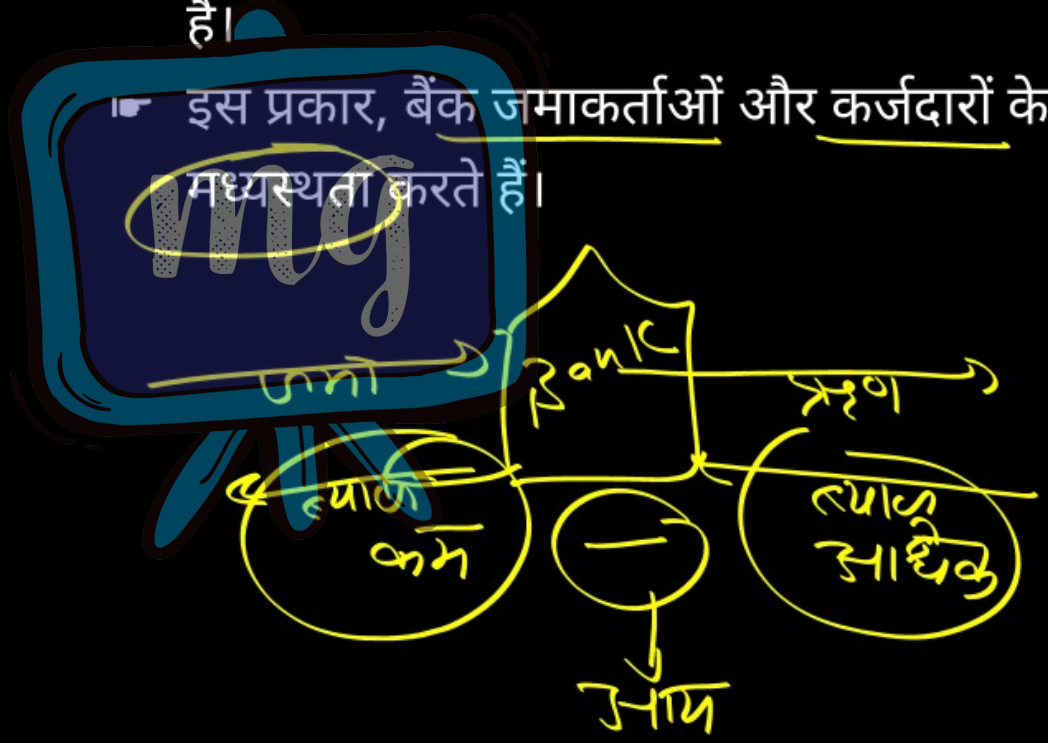
उत्तर :

- बैंक अतिरिक्त धन वाले लोगों से जमा स्वीकार करते हैं और उन्हें उस पर ब्याज देते हैं। 100 + 2 → 102
- इसके बाद वे इन्हीं जमाओं का उपयोग जरूरतमंद लोगों को ऋण देने के लिए करते हैं। 100 + 10 → 110
- बैंक ऋणों पर, जमाओं पर दिए जाने वाले ब्याज की तुलना में अधिक ब्याज दर वसूलते हैं।

8 बैंक को लाभ

अभ्यास प्रश्न

- इन दोनों ब्याज दरों के बीच का अंतर बैंक की आय होता है।
- इस प्रकार, बैंक जमाकर्ताओं और कर्जदारों के बीच मध्यस्थता करते हैं।




mg

अभ्यास प्रश्न

4 10 रुपये के नोट को देखिए। इसके ऊपर क्या लिखा है? क्या आप इस कथन की व्याख्या कर सकते हैं?



अभ्यास प्रश्न

5 हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की क्यों ज़रूरत है?

उत्तर :

- बैंक और सहकारी समितियों जैसे औपचारिक स्रोत कम ब्याज दर पर ऋण देते हैं तथा विनियमित नियमों का पालन करते हैं।
- इन स्रोतों का विस्तार करने से गरीब लोगों को उचित दरों पर ऋण उपलब्ध हो सकता है और बहुत अधिक ब्याज लेने वाले अनौपचारिक ऋणदाताओं पर उनकी निर्भरता कम होती है, जो अक्सर उन्हें कर्ज-जाल में फँसा देते हैं।

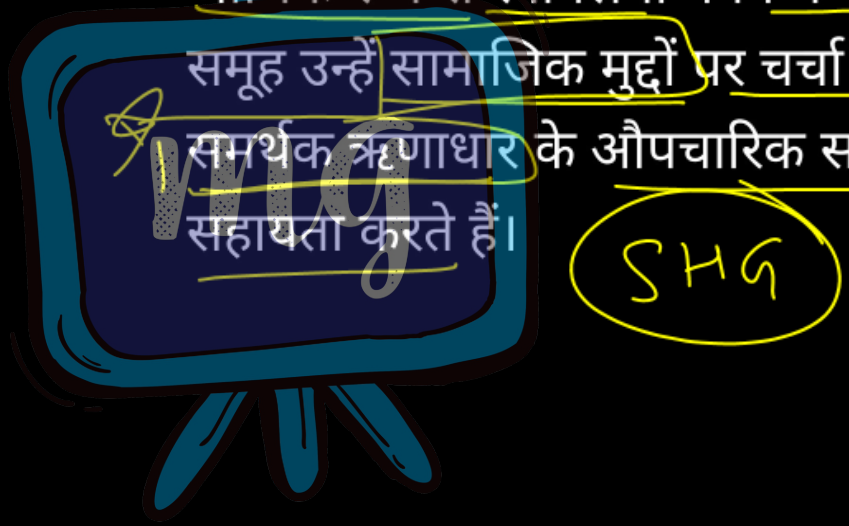
6 गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूहों के संगठनों के पीछे मूल विचार क्या हैं? अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

- स्वयं सहायता समूह (SHG) में सामान्यतः 15–20 सदस्य होते हैं, जो नियमित रूप से बचत करते हैं और एक-दूसरे को कम ब्याज दर पर छोटे ऋण देते हैं।
- बाद में यह समूह बैंक से ऋण प्राप्त करने के योग्य हो जाता है।

अभ्यास प्रश्न

- स्वयं सहायता समूह गरीबों, विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने में सहायता करते हैं।ये समूह उन्हें सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने तथा बिना समर्थक ऋणाधार के औपचारिक साख प्राप्त करने में सहायता करते हैं।



अभ्यास प्रश्न

7 क्या कारण हैं कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते?

उत्तर : बैंक निम्न कारणों से कुछ कर्जदारों को ऋण देने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं :

- आवश्यक दस्तावेजों का अभाव
- समर्थक ऋणाधार का न होना
- ऋण वापस न मिलने का जोखिम
- कर्जदार का बेरोजगार या गरीब होना, जैसे भूमिहीन मजदूर, जो ऋण की अदायगी का भरोसा नहीं दे पाते।

8 भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर किस तरह नज़र रखता है? यह जरूरी क्यों है?

उत्तर : भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) बैंकों की निगरानी इस प्रकार करता है

- यह सुनिश्चित करता है कि बैंक न्यूनतम नकद शेष बनाए रखें।
- यह निगरानी करता है कि बैंक किन्हें ऋण दे रहे हैं, ब्याज दरें क्या हैं तथा ऋण का कितना अनुपात दिया जा रहा है।
- यह निगरानी सुनिश्चित करती है कि बैंक जिम्मेदारी से ऋण दें, छोटे कर्जदारों को भी ऋण उपलब्ध कराएँ तथा शोषण को रोकें।

9 विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर : साख निम्न प्रकार से सहायता करती है :

- फसल उत्पादन, व्यवसाय, आवास आदि में।
- लोगों को निवेश करने और अपनी आय बढ़ाने में सक्षम बनाकर।
- यदि इसका समझदारी से उपयोग किया जाए, तो यह जीवन स्तर को बेहतर बना सकती है।

ऋण → भ्रमण ⇒ आय ↑
व्यापार → आय ↑

अभ्यास प्रश्न

- हालांकि, यदि ऋण उचित शर्तों पर उपलब्ध नही हो, तो यह लोगों, विशेष रूप से गरीबों को कर्ज में धकेल सकता है। इसलिए सस्ती और आसानी से उपलब्ध साख विकास के लिए आवश्यक है।



साख / ऋण → ब्याज दर कम (सस्ती)
→ आसानी → ऋण की मांग में ↑

अभ्यास प्रश्न

10 मानव को एक छोटा व्यवसाय करने के लिये ऋण की ज़रूरत है। मानव किस आधार पर यह निश्चित करेगा कि उसे यह ऋण बैंक से लेना चाहिये या साहूकार से? चर्चा कीजिए।

उत्तर : मानव निम्न आधारों पर निर्णय करेगा

- ब्याज दर : बैंक कम ब्याज दर पर ऋण देते हैं, जबकि साहूकार अधिक ब्याज लेते हैं।
- समर्थक ऋणाधार : बैंक समर्थक ऋणाधार की माँग करते हैं, जबकि साहूकार ऐसा नहीं भी कर सकते हैं।

अभ्यास प्रश्न

- दस्तावेज़ : बैंकों को आवश्यक दस्तावेज़ चाहिए होते हैं, जबकि साहूकार अनौपचारिक रूप से ऋण देते हैं।
- तात्कालिकता : साहूकार जल्दी ऋण दे देते हैं, जबकि बैंकों में समय लग सकता है।
- इसलिए निर्णय लेने से पहले मानव को लागत, सुविधा और तात्कालिकता पर विचार करना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

11 भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है।

(i) बैंक छोटे किसानों को ऋण देने से क्यों हिचकिचा सकते हैं?

उत्तर :

☛ बैंक समर्थक ऋणाधार और आवश्यक दस्तावेज़ों की कमी तथा फसल खराब होने के जोखिम के कारण छोटे किसानों को ऋण देने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं।

अभ्यास प्रश्न

11 भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है।

(ii) वे दूसरे स्रोत कौन हैं, जिनसे छोटे किसान कर्ज ले सकते हैं।

उत्तर :

☛ ऋण के अन्य स्रोतों में साहूकार, व्यापारी, नियोक्ता और रिश्तेदार शामिल हैं।

अभ्यास प्रश्न

11 भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है।

(iii) उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि किस तरह ऋण की शर्तें छोटे किसानों के प्रतिकूल हो सकती हैं।

उदाहरण : एक किसान व्यापारी से ऋण लेता है, जो अधिक ब्याज वसूलता है और किसान को अपनी फसल कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर करता है। इसके परिणामस्वरूप किसान की हानि होती है और वह कर्ज में फँस जाता है।

अभ्यास प्रश्न

11 भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है।

(iv) सुझाव दीजिए कि किस तरह छोटे किसानों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है।

सस्ता ऋण उपलब्ध कराने के उपाय :

- स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाओं का विस्तार करना।
- रियायती कृषि ऋण उपलब्ध कराना।
- सहकारी समितियों को मजबूत करना।

अभ्यास प्रश्न

12 रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

(i) .....परिवारों की ऋण की अधिकांश ज़रूरतें अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती हैं।

उत्तर : निर्धन ग्रामीण एवं

अभ्यास प्रश्न

12 (ii) ..... ऋण की लागत ऋण का बोझ बढ़ाती है।

उत्तर : अधिक

अभ्यास प्रश्न

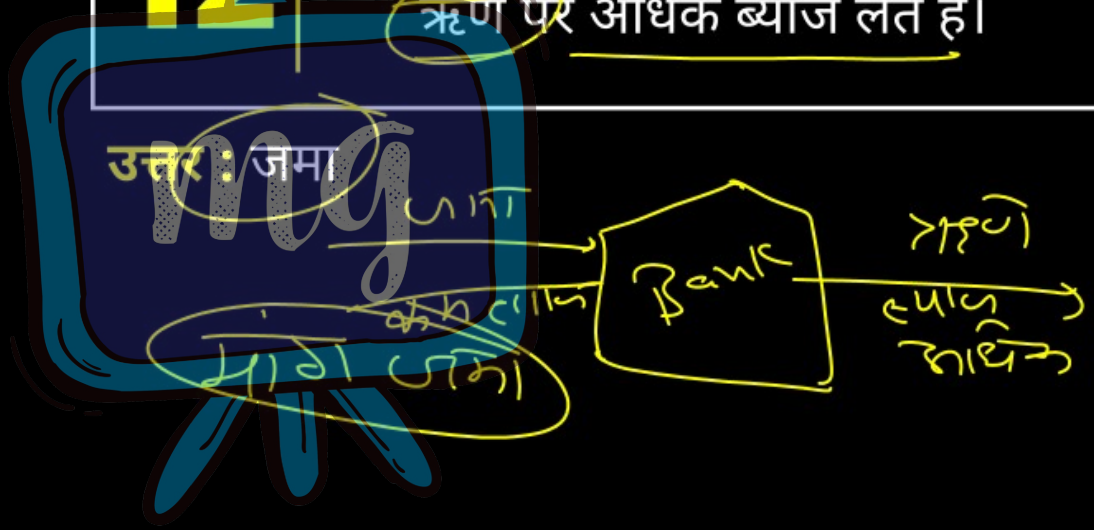
12 (iii) .....केन्द्रीय सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है।

उत्तर : भारतीय रिज़र्व बैंक

अभ्यास प्रश्न

12 (iv) बैंक ..... पर देने वाले ब्याज से ऋण पर अधिक ब्याज लेते हैं।

उत्तर : जमा



12 (v) .....सम्पत्ति है जिसका मालिक कर्जदार होता है जिसे वह ऋण लेने के लिए गारंटी के रूप में इस्तेमाल करता है, जब तक ऋण चुकता नहीं हो जाता।

उत्तर : समर्थक ऋणाधार (सुरक्षा)

अभ्यास प्रश्न

13 सही उत्तर का चयन करें

(i) स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं-

- बैंक द्वारा
- सदस्यों द्वारा
- गैर सरकारी संस्था द्वारा

अभ्यास प्रश्न

13 (ii) ऋण के औपचारिक स्रोतों में शामिल नहीं है





अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1 अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रमुख कार्य क्या है?

अ मनोरंजन का साधन

ब आभूषणों का संग्रह

स विनिमय का माध्यम (स)

द कर बचाने का साधन

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

2 'आवश्यकताओं का दोहरा संयोग' से क्या अभिप्राय है?

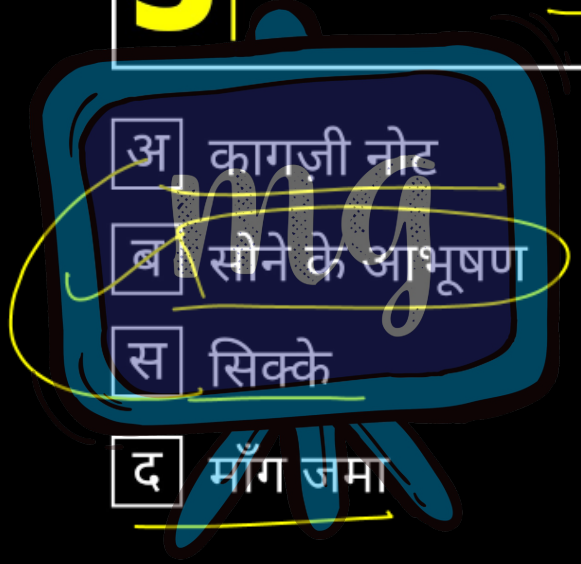
अ खरीदारी के लिए सिक्कों का उपयोग

ब बैंक में धन जमा करना

स ऋण लेना और चुकाना

द दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे की वस्तुएँ खरीदने-बेचने पर सहमति

3 निम्न में से कौन आधुनिक मुद्रा का उदाहरण नहीं है?



अ कागज़ी नोट

ब सोने के आभूषण (✓)

स सिक्के

द माँग जमा

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

4 चेक क्या है?

अ आरबीआई द्वारा जारी सिक्का

ब ऋण चुकौती पर्ची

स मुद्रा विनिमय वाउचर

द बैंक को निश्चित राशि भुगतान करने का निर्देश देने वाला कागज़

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

5 बैंक आय कैसे कमाते हैं?

अ मुद्रा छापकर

ब मुद्रा बेचकर

स जमा पर दिए ब्याज से अधिक ब्याज ऋणों पर लेकर

द सोना बेचकर

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

6 निम्न में से कौन समर्थक ऋणाधार का उदाहरण है?

अ ऋण समझौता पत्र

ब ब्याज दर रसीद

स भूमि या घर के दस्तावेज़

द बैंक जमा पर्ची

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

7 | भारत में औपचारिक बैंकों के कार्यों की निगरानी कौन-सी संस्था करती है?

अ नाबार्ड

ब एसबीआई

स वित्त मंत्रालय

द भारतीय रिजर्व बैंक

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

8 गरीब महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूह (SHGs) क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

अ वे कढ़ाई सिखाते हैं।

ब वे मुफ्त धन देते हैं।

स वे सरकारी नौकरी दिलाते हैं।

द वे आय कमाने में मदद करते हैं और बिना समर्थक ऋणाधार के ऋण देते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

9 बैंकों में उन जमाओं को क्या कहा जाता है जिन्हें माँग पर निकाला जा सकता है?



अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

10 बांग्लादेश में गरीब महिलाओं को छोटे ऋण देने वाले बैंक का नाम क्या है?



अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

11 मुद्रा के आधुनिक रूपों में चेकों की क्या भूमिका रही?

उत्तर :

- चेक नकद के बिना एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में सीधे भुगतान की सुविधा देते हैं।
- ये बैंक को भुगतानकर्ता के खाते से प्राप्तकर्ता को निश्चित राशि देने का लिखित निर्देश होते हैं, जिससे माँग जमा के माध्यम से नकदरहित लेन-देन संभव होता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

12 'ऋण-जाल' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

- ऋण-जाल वह स्थिति है जिसमें उधारकर्ता ऋण नहीं चुका पाता और पुराने ऋण को चुकाने के लिए नया ऋण लेने को मजबूर हो जाता है, जिससे ऋण का चक्र बढ़ता जाता है।
- ऐसा अक्सर ऊँची ब्याज दरों या आय स्रोत के असफल होने से होता है, जैसा अध्याय में स्वप्ना के मामले में देखा गया।

13 | विमुद्रीकरण के बाद प्रोत्साहित डिजिटल लेन-देन के क्या लाभ हैं?

उत्तर :

- डिजिटल लेन-देन नकद की आवश्यकता घटाते हैं, पारदर्शिता बढ़ाते हैं, भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और लेन-देन को तेज व अधिक पता लगाने योग्य बनाते हैं।
- इनमें बैंक अंतरण, चेक, एटीएम कार्ड और पीओएस मशीन जैसे तरीके शामिल हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

14 साख के औपचारिक और अनौपचारिक स्रोतों की तुलना कीजिए।



उत्तर :

औपचारिक स्रोत	अनौपचारिक स्रोत
बैंक और सहकारी समितियाँ शामिल।	साहूकार, व्यापारी, नियोक्ता, रिश्तेदार आदि शामिल।
भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा निगरानी।	किसी संस्था द्वारा निगरानी नहीं।
ब्याज दरें और ऋण-प्रक्रियाएँ विनियमित।	बहुत अधिक ब्याज दरें वसूल सकते हैं।
दस्तावेज़ और समर्थक ऋणाधार आवश्यक।	औपचारिक दस्तावेज़ या समर्थक ऋणाधार आवश्यक नहीं भी।
सस्ती ब्याज दरें।	अक्सर कर्जदारों का शोषण और ऋण-भार बढ़ाते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

15 साख के औपचारिक स्रोतों का विस्तार और उन्हें गरीबों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

उत्तर :

- बैंकों जैसे औपचारिक स्रोत कम ब्याज दर पर साख देते हैं।
- अनौपचारिक स्रोत अक्सर बहुत अधिक ब्याज लेते हैं, जिससे ऋण-जाल बनता है।
- समर्थक ऋणाधार और दस्तावेज़ों की कमी से गरीब परिवार अधिकतर अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर रहते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

- सभी ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक उपलब्ध नहीं हैं।
- औपचारिक साख का विस्तार साहूकारों द्वारा शोषण कम करता है।
- यह गरीबों को आय बढ़ाने वाली गतिविधियों में निवेश करने देता है।
- यह आय, उत्पादकता और जीवन-स्तर बढ़ाकर विकास में मदद करता है।
- SHGs और सहकारी समितियाँ ग्रामीण साख पहुँच को औपचारिक बनाने के कदम हैं।